रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 24 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 264 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

दिल्ली की सांसों पर प्रदूषण का पहरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के लोगों को प्रदूषण के जहर वाली हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। हवा की रफ्तार सुस्त पड़ने के चलते प्रदूषण के स्तर में इजाफा हुआ है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में रहा। अनुमान है कि दिल्ली की हवा में मौजूद धुएं और धुंध की यह परत अगले दो-तीन दिनों तक बनी रह सकती है। आज भी दिल्ली में हवा का स्तर बेहद खराब बना हुआ है। कई जगहों पर एक्यूआई 350 के पार है।

अच्छे मानसून के चलते इस बार राजधानी दिल्ली की हवा आमतौर पर साफ-सुथरी रही थी, लेकिन बीते नौ दिनों में ही प्रदूषक कणों में तेजी से इजाफा हुआ है। 13 अक्तूबर को वायु गुणवत्ता सूचकांक 189 के अंक पर रहा था। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है और यह सुरक्षित दायरे में है। इसके बाद से ही वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से इजाफा हुआ है और पहले तो हवा खराब और फिर खराब श्रेणी में पहुंच गई। पिछले तीन दिनों से दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। दीवाली की शाम हुई आतिशबाजी का धुआं अभी भी वायुमंडल में बना हुआ है। हवा की रफ्तार कम होने के चलते प्रदूषक कणों के विसर्जन की गति बेहद धीमी है। हवा रही बेहद खराब- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 353 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बेहद खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यह सूचकांक 351 के अंक पर रहा था। दिल्ली नेहरू नगर और पंजाबी बाग जैसे इलाकों का सूचकांक 400 के अंक के पार यानी गंभीर श्रेणी में पहुंचा हुआ है। प्रदूषण और नमी के चलते दिल्ली के वायुमंडल में धुंध और धुएं की एक परत छाई हुई है। दिल्ली के पालम इलाके में सुबह के समय हल्का कोहरा देखने को मिला। सुबह आठ बजे के लगभग कोहरे और धुंध के चलते दृश्यता का स्तर गिरकर 800 मीटर तक पहुंच गया। राजधानी दिल्ली की हवा में अभी सामान्य से लगभग तीन गुना ज्यादा प्रदूषण मौजूद हैं। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। बुधवार की शाम तीन बजे दिल्ली-एनसीआर की हवा में पीएम 10 का स्तर 293 और पीएम 2.5 का स्तर 185 पर रहा। प्रदूषक कणों का स्तर मानकों से लगभग तीन गुना ज्यादा बना हुआ है। प्रदूषण से बच्चों का फेफड़ा प्रभावित हो सकता है। इसके मद्देनजर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और मैसूर इन चार शहरों में चार हजार किशोरों के फेफड़े पर प्रदूषण का दुष्प्रभाव जानने के लिए एक अध्ययन शुरू किया गया है। एम्स, आईआईटी बांबे, बेंगलुरु स्थित सेंट जॉन्स नेशनल एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज के कम्युनिटी स्वास्थ्य विभाग सहित कई अन्य संस्थान मिलकर यह अध्ययन कर रहे हैं। दुष्प्रभाव के कारण कमजोर फेफड़े से पीड़ित बच्चे किस शहर में ज्यादा हैं? साथ ही प्रदूषण के दुष्प्रभाव से क्षतिग्रस्त फेफड़े की जल्दी पहचान के लिए एक बायोमार्कर सामने आएगा। कृत्रिम बारिश के लिए उपयुक्त बादलों की मौजूदगी नहीं होने के चलते इसका परीक्षण फिलहाल नहीं हो पा रहा है।

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बसेगा न्यू हाथरस, मास्टर प्लान की तैयारी तेज

नई दिल्ली, एजेंसी।
नया हाथरस यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे दोनों तरफ बसेगा। नए शहर को विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है। यमुना विकास प्राधिकरण ने हाथरस अर्बन सेंटर के मास्टर प्लान के लिए जारी रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) के तहत आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर तीन नवंबर कर दिया है।

अब टेक्निकल बिड छह नवंबर को खुलेगी। चयनित कंपनी को आठ माह में प्लान तैयार करना होगा। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र छह जिलों तक फैला है। प्राधिकरण जहां मथुरा में प्रमुख तौर पर हेरिटेज सिटी विकसित कर रहा है, वहीं टप्पल में लॉजिस्टिक हब बनाने जा रहा है। आगरा में भी पर्यटन और धरोहर को तवज्जो दी गई है। अब हाथरस में नए शहर का मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। चयनित कंपनी पहले शहर की भौगोलिक स्थिति का सर्वेक्षण करेगी और उसके बाद प्लान तैयार करेगी। शुरुआती चरण में दो से चार हजार हेक्टेयर में यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ नया शहर बसाया जाएगा। यीडा के अधिसूचित क्षेत्र में हाथरस के 358 गांव शामिल हैं। नया शहर खासतौर पर डेयरी, कपड़ा और ब्रास उत्पादों का मुख्य केंद्र बनकर उभरेगा। हाथरस के सदर, सादाबाद और सासनी तहसील के गांवों में भूमि अधिग्रहीत होगी।

एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में हाथरस जिले में एमएसएमई (लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग) और कुटीर उद्योग प्रमुख हैं। जिले में लगभग 10,293 उद्योग पंजीकृत हैं। उद्योगों का अधिकतर हिस्सा क्लस्टर (समूह) के रूप में विकसित है। मास्टर प्लान 2041 (फेज-2) के तहत हाथरस में नए शहर का विकास होना है।

नई बाइक की पार्टी मनाने गए थे, एक साथ 3 दोस्तों की मौत; दिल्ली का हादसा रुला देगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में मंगलवार देर रात तेज रफ्तार बाइक जीटी रोड पर रखे जर्सी बैरियर से टकरा गई। इस दर्दनाक हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों युवक पार्टी करके मुरथल से घर लौट रहे थे। पुलिस ने बुधवार को तीनों शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान अनुराग, मोहित और सुमित के तौर पर हुई है। तीनों युवक बचपन के दोस्त थे और नांगलोई इलाके में आसपास ही रहते थे। वहीं मोहित, अनुराग के सगे चाचा का बेटा था। चूंकि हम उम्र होने के वजह से साथ रहता था। अनुराग ने धनतेरस पर बाइक खरीदी थी। सभी दोस्त पार्टी मांग रहे थे। मंगलवार रात तीनों ने पार्टी करने की योजना बनाई। सुमित अपनी बाइक पर अनुराग और मोहित के साथ रात 11 बजे नांगलोई से मुरथल के लिए रवाना हुआ। वहां भोजन करने के बाद वापस लौटे। वे करीब रात डेढ़ बजे जीटी रोड पर बने लिबासपुर फ्लाईओवर पर पहुंचे थे। बाइक में लगी आग - सिंघु बार्डर से दिल्ली आते समय फ्लाईओवर के बाएं हिस्से की सड़क खराब हो गई है। करीब 15 फीट लंबे और 10 फीट चौड़े क्षतिग्रस्त स्थल को जर्सी बैरियर से घेरा गया है। देर रात लौट रहे बाइक सवार इसी जर्सी बैरियर से भिड़ गए। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक में तुरंत आग लग गई। डीसीपी ने बताया कि हादसे के वक्त बाइक सवारों ने हेल्मेट भी नहीं लगाया था। इस टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर गिर गये। राहगीरों ने पुलिस को घटना की सूचना दी और तीनों युवकों को बुराड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मौके परदो युवकों के मोबाइल फोन मिले थे जिसमें से एक फोन खुला हुआ था। इसी फोन से परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ने बताया कि बैरियर से करीब 30 मीटर की दूरी से टायर घिसटने के निशान हैं। इसलिए संभावना जताई जा रही है कि बाइक सवारों ने नजदीक आने पर बैरियर देखा तो ब्रेक लगाने की कोशिश की। लेकिन सफल नहीं हो सके और पूरी रफ्तार से बाइक बैरियर में भिड़ गई। वहीं अनुराग के पिता गोपाल ने एनएचएआई पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अगर डायवर्जन रहता तो बेटे की जान बच सकती थी। हालांकि एनएचएआई ने बैरियर पर पीले रंग का रिफ्लेक्टर लगाया हुआ है। कक्षा सात से दोस्ती थी अनुराग, सुमित और मोहित के दोस्त विष्णु ने बताया कि वे सभी कक्षा छह-सात से दोस्त थे। वे सभी एक साथ घूमते थे। विष्णु ने बताया कि तबियत खराब होने की वजह से वह मुरथल नहीं गया। विष्णु के अनुसार वे सभी इलाके में ही एक रेस्टोरेंट पर जमा हो कर पार्टी करते थे।

दिल्ली के पूसा चौक को मिलेगा नया रूप, 2 करोड़ रुपये से बनेगा हरा-भरा पार्क

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने करोल बाग के पूसा रोड-पटेल रोड जंक्शन को नया रंग-रूप देने का फैसला किया है। यह जंक्शन, जो नई दिल्ली को सेंट्रल दिल्ली से जोड़ता है, अब सिर्फ ट्रैफिक का ठिकाना नहीं, बल्कि हरा-भरा और आकर्षक सार्वजनिक स्थल बनने जा रहा है। पूसा रोड, शंकर रोड, पटेल रोड और डॉ. केएस कृष्णन मार्ग जैसे मुख्य मार्गों को जोड़ने वाला यह जंक्शन अब पूरी तरह से बदलने वाला है। चार ट्रैफिक आइलैंड्स और मिनी-पार्क्स, जिन्हें सामूहिक रूप से चौधरी ब्रह्म प्रकाश चौक के नाम से जाना जाता है, को नया रूप दिया जाएगा। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री के नाम पर बने इस चौक की हालत अभी जर्जर है। लेकिन अब सरकार इसे चमकाने की तैयारी में है। पीडब्ल्यूडी इस प्रोजेक्ट पर करीब 2 करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है। इसमें पूसा राउंडअबाउट, पूसा हरित क्रांति पार्क, मंदिर पार्क और चेतन दास पार्क शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया, हम इस जगह को पूरी तरह से नया रूप देंगे। पुराने फिक्सचर्स हटाकर नई मिट्टी की परत बिछाई जाएगी। राउंडअबाउट को एक खूबसूरत पार्क में बदला जाएगा, जिसमें वॉकिंग ट्रैक, घास, और सजावटी पौधे होंगे। 4450 सिंगापुर डेजी, लिली, प्लूमेरिया अल्बा, फिकस रेट्सा और सफेद चंपा जैसे पौधे लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं, इन हरे-भरे इलाकों की देखभाल के लिए प्राइवेट गार्डनर्स की टीम भी तैनात की जाएगी। अधिकारी ने कहा, हम चाहते हैं कि यह जगह हमेशा तरोताजा और सुंदर बनी रहे। चौक पर सजावटी लाइट्स, फ्लडलाइट्स और फव्वारे लगाए जाएंगे, जो इसे रात में भी चमकदार बनाएंगे। टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अगले चार महीनों में यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। हाल ही में पश्चिम दिल्ली के पंजाबी बाग जंक्शन को भी ऐसा ही नया रूप दिया गया, जिसका नाम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मदन लाल खुराना के नाम पर रखा गया। हाल ही में हरियाली के रखरखाव के लिए नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी किया है। इसमें प्राइवेट एजेंसियों को सड़कों के रखरखाव का जिम्मा सौंपा जाएगा। हर 2500 वर्ग मीटर हरे क्षेत्र के लिए कम से कम एक माली की तैनाती अनिवार्य होगी।

मन में भक्ति, कर्म में सेवा यही हैं शिवम शिवहरे की पहचान करैरा का युवा, जो गरीब, आदिवासी और हर वर्ग के लोगों का बन गया सहारा

जगदीश पाल

कहा गया है — "जहाँ दूसरों के आँसू पोंछे जाते हैं, वहीं भगवान बसते हैं।" यह वाक्य करैरा के युवा शिवम् शिवहरे के जीवन पर अक्षरशः लागू होता है। उन्होंने छोटी उम्र में ही यह सिद्ध कर दिया कि समाज सेवा के लिए बड़े पद या शक्ति की नहीं, बल्कि बड़े दिल और सच्चे भाव की आवश्यकता होती है। शिवम् शिवहरे करैरा नगर के ऐसे सेवाभावी और धार्मिक प्रवृत्ति के युवक हैं, जिन्होंने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जनसेवा का मार्ग बना लिया। उनके लिए मंदिर की घंटी बजाने से बड़ा पुण्य किसी भूखे की थाली भरना है।

वे कहते हैं अगर कोई भूखा है, तो उसकी थाली भरना ही सबसे बड़ा पूजा-पाठ है; धर्म वहीं है जहाँ करुणा है। पिछले कुछ वर्षों में शिवम् ने कई ऐसी मिसालें कायम की हैं, जो आज पूरे क्षेत्र में प्रेरणा बन चुकी हैं। कभी उन्होंने किसी बीमार व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाया, तो कभी अनाथ और जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, जूते और शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराई। अनेक बार वे आदिवासी बस्तियों में स्वयं जाकर भोजन, दवा और आवश्यक सामग्री का वितरण करते रहे हैं।

उनकी यह निस्वार्थ सेवा भावना ही है, जिसने उन्हें गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों का सच्चा सहारा बना दिया है।

धार्मिक दृष्टि से भी शिवम् शिवहरे अत्यंत सक्रिय हैं। सावन, रामनवमी, हनुमान जयंती और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे अवसरों पर वे स्वयं आगे बढ़कर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भंडारा और गौसेवा के आयोजन करते हैं। उनकी भक्ति और सेवा, दीपक की लौ और उसकी बाती की तरह एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं — एक बिना दूसरे अधूरी। शिवम् की सोच से प्रेरित होकर करैरा के कई युवा अब "सेवा ही धर्म है" अभियान के साथ उनसे जुड़े हैं। इस समूह द्वारा रोज किसी न किसी गरीब परिवार की सहायता की जाती है कभी राशन, कभी शिक्षा, तो कभी चिकित्सा के रूप में। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवम् शिवहरे का व्यवहार विनम्र, संस्कारित और सरल है। वे हर व्यक्ति से मुस्कुराकर मिलते हैं, चाहे वह अमीर हो या गरीब।

उनके भीतर एक ऐसा भाव है जो समाज में मानवता, एकता और प्रेम का संदेश देता है। आज जहाँ अधिकतर युवा अपनी व्यस्तता में समाज से दूर हो गए हैं, वहीं शिवम् शिवहरे हर दुखी व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश करते हैं। वे किसी पद या प्रसिद्धि के मोह से परे, केवल सेवा को ही अपना जीवन धर्म मानते हैं। अंत में इतना कहना पर्याप्त है अगर सेवा एक दीपक है, तो शिवम् शिवहरे उसकी लौ हैं, जो करैरा की गलियों में निस्वार्थ भक्ति और मानवता का उजाला फैला रहे हैं।

इंदौर में छठ पूजा की तैयारियां लगभग पूर्ण 150 से अधिक घाटों पर होगा अर्घ्यदान

महापौर पुष्यमित्र भार्गव बोले "पूरा इंदौर मिलकर मनाता है आस्था का यह पर्व"

इंदौर। दीपावली के बाद अब इंदौर में आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर में बसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के हजारों परिवार सूर्य उपासना के इस पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। इस वर्ष इंदौर में लगभग 150 से अधिक स्थानों पर छठ घाटों पर अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशन में एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर एवं नगर निगम अधिकारियों ने पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान के पदाधिकारियों के साथ विजयनगर स्थित छठ घाट का निरीक्षण किया। महापौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा सभी घाटों और बगीचों की सफाई, रंग-रोगन और जल की स्वच्छता का कार्य पूरा कर लिया गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा "पूरा इंदौर मिलकर छठ पूजा मनाता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी नगर निगम ने पूरी तत्परता से तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार दो प्रमुख स्थलों पर विशेष घाटों का निर्माण किया जा रहा है, जहां विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।"

महापौर ने इस अवसर पर पूर्वांचल समाज एवं सभी श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। छठ पर्व का शुभारंभ 25 अक्टूबर (शनिवार) को 'नहाय-खाय' से होगा।26 अक्टूबर (रविवार) को 'खरना' व्रत रखा जाएगा।27 अक्टूबर (सोमवार) को श्रद्धालु तालाबों और जलाशयों में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे।और 28 अक्टूबर (मंगलवार) को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर पर्व का समापन किया जाएगा। इस वर्ष इंदौर में अनुमानित ढाई से तीन लाख श्रद्धालु इस महान पर्व में शामिल होंगे, जिनकी सुविधा के लिए नगर निगम द्वारा सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, जल प्रबंधन और स्वच्छता की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में महा अन्नकूट महोत्सव 28 अक्टूबर को सभी श्रद्धालु सादर आमंत्रित

शिवपुरी। आगामी मंगलवार, दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर, झांसी तिराहा शिवपुरी परिसर में महा अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

इस पावन अवसर पर महंत मोहित दास महाराज के सान्निध्य में विविध धार्मिक अनुष्ठान, भजन-संकीर्तन तथा हनुमानजी की विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा। भक्तजन इस दिन भगवान को अन्नकूट (विभिन्न प्रकार के व्यंजनों) का भोग अर्पित करेंगे, जिसके पश्चात सामूहिक प्रसादी वितरण किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि वे अपने परिवार सहित इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होकर भगवान श्री खेड़ापति हनुमानजी के दिव्य आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करें। स्थानः श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर, झांसी तिराहा, शिवपुरी दिनांकः 28 अक्टूबर 2025, मंगलवार मुख्य संयोजकः महंत मोहित दास महाराज

शहर में बेहतर यातायात हेतु जागरूक नागरिकों ने की भागीदारी..., इंदौर पुलिस ने भी तत्परता से कार्यवाही कर निभाई अपनी जिम्मेदारी

इंदौर पुलिस की ट्रैफिक हेल्पलाइन पर एक माह मे आई 590 शिकायतें, जिनमे से 564 का तत्समय ही किया समाधान

आदित्य शर्मा

इंदौर - शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में इंदौर यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा 22.09.25 से एक व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर – 7049107620 जारी किया गया है। और इस पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही कर समाधान के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उक्त हेल्पलाइन पर कल 22.10.25 को ट्रैफिक पुलिस को कुल 05 शिकायते प्राप्त हुई, जिनमें से 03 का त्वरित निराकरण कर दिया। कल कुछ इस प्रकार की शिकायते आई-

1. कार के सनरूफ का गलत उपयोग करने संबंधी।
2. BRTS लेन में गाड़िया चलाने से एक्सीडेंट का खतरा होने संबंधी
3. कार की नंबर प्लेट हिंदी में होने संबंधी।
4. द्वारिकापुरी में झगड़ा होने के बारें में।
5. दुकानों के बाहर अवैध पार्किंग।

उक्त 05 शिकायतों में उल्लेखित समस्याओ पर त्वरित कार्यवाही कर 03 का तत्समय ही समाधान किया गया व नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही भी की गई है, शेष 02 पर भी कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त हेल्पलाइन शुरू होने 22 सितंबर से 22 अक्टूबर 2025 तक एक माह में कुल 590 शिकायत प्राप्त हुई जिनमे से 564 शिकायतो का त्वरित निराकरण किया गया है, शेष 26 शिकायतों पर भी संबंधित विभाग से समन्वय कर कार्यवाही की जा रही है। आम नागरिकों से अनुरोध है कि सुव्यवस्थित यातायात हेतु इंदौर पुलिस को सहयोग दें और किसी भी प्रकार की ट्रैफिक संबंधी समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर– 7049107620 पर सूचना दें।

मध्य प्रदेश में अब मुख्य सचिव तक पहुंचेंगी सीएम हेल्पलाइन की पेंडिंग शिकायतें

आदित्य शर्मा- 8224951278

भोपाल। मुख्यमंत्री (सीएम) हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान हो, इसके लिए अब संबंधित विभाग के अधिकारी के अलावा लंबित शिकायतें मुख्य सचिव तक पहुंचेंगी। मध्य प्रदेश सरकार एल-4 के बाद अब एल-5 स्तर को भी जोड़ने जा रही है। यहां मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव की निगरानी में लंबित शिकायतों का समाधान होगा। एल-1 यानी पहले स्तर के अधिकारी को जवाबदेह बनाने के लिए कार्रवाई विवरण भरने के कालम में संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इसके अलावा अन्य स्तर पर भी अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर करने का नियम लागू किया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन-181 में दर्ज समस्याओं के समाधान में लगातार देरी के बीच राज्य सरकार इसमें यह महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रही है।

फोर्स क्लोज करने से पहले शिकायतकर्ता को बताना होगा कारण-:
शिकायतों के निराकरण के लिए एल-1, एल-2, एल-3 व एल-4 हैं। एल-1 से एल-3 तक निराकरण नहीं होता है तो वह एल-4 पर जाती हैं। यहां फिर भी लंबित रहती हैं या उसे फोर्स क्लोज कर दिया जाता है। अब ऐसा करने से पहले एल-5 लेबल पर मुख्य सचिव या अपर मुख्य सचिव भी शिकायतों का समाधान करेंगे। इसके अलावा शिकायतकर्ता को यह भी बताना होगा कि उसकी शिकायत को फोर्स क्लोज क्यों किया जा रहा है।

गुजरात मॉडल पर होगा काम-:

यह पूरी व्यवस्था गुजरात मॉडल पर होगी। इसके लिए मप्र सरकार के अधिकारियों का एक दल गुजरात भेजा गया था। यहां दल ने गुजरात की सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली और निराकरण करने के तरीके व मानीटरिंग सिस्टम को समझा। गुजरात से आए दल ने मध्य प्रदेश की सीएम हेल्पलाइन की विशेषताओं और खामियों का अध्ययन कर रिपोर्ट पेश की थी। इसमें बताया गया कि एल-1 स्तर पर उचित जिम्मेदारी नहीं होने से शिकायतों के समाधान में देरी होती है। अधिकांश कार्रवाई का विवरण कंप्यूटर आपरेटरों के भरोसे चलता है, जिसमें शिकायत का केवल प्रारंभिक ब्यौरा ही दिया जाता है। इस रिपोर्ट के आधार पर ही नई व्यवस्था की जा रही है।

यह कार्रवाई अभी प्रस्तावित है-:

गुजरात मॉडल की तर्ज पर मध्य प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतें के निराकरण के लिए एल-5 स्तर को जोड़ा जा रहा है, इसमें मुख्य सचिव तक शिकायतें भेजी जाएगी। यह कार्रवाई अभी प्रस्तावित है, शासन से अनुमति मिलने पर लागू करेंगे। - संदीप आष्ठाना, अवर सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय

भाईदूज हमारी संस्कृति की आत्मा, भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का है प्रतीक

इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाईदूज हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह पर्व भाई और बहन के सहोदर स्नेह, परस्पर अपनत्व का प्रतीक है।

भाईदूज भाई-बहन के पवित्र बंधन के नैसर्गिक संरक्षण और पारिवारिक जीवन मूल्यों को मजबूत बनाता है। यह पर्व भारतीय समाज की उस देशज परम्परा का निर्वहन है, जहां बहन के स्नेह में भाई का नैतिक दायित्व और जीवन पर्यन्त रक्षा का संकल्प निहित होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का यह पर्व न केवल भाई-बहन के स्नेह का उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता, नारी सम्मान के साथ हमारे पारिवारिक जीवन मूल्यों के संरक्षण का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित (भातृ द्वितीया/यम द्वितीया) भाईदूज के विशेष कार्यक्रम में बहनों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ आत्मीय संवाद कर सभी को भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश की बहनों के साथ संवाद के दौरान उनसे राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भावी प्राथमिकताओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लाड़ली बहनों के रूप में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक बहनें मिली हैं। हम बहनों के जीवन में नई रोशनी, नई खुशी जोड़ रहे हैं। प्रदेश की सभी लाडली बहनों को अब हर माह 1500 रुपए मिलेंगे। बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनों के शब्द और उद्गार सुनकर अभिभूत हूं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का समग्र रूप हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है।

उम्र बीत गई...

उम्र बीत गई, उम्र बिताते बीतते,
हर दिन गुज़र गया कुछ नया पाने में।
वो सपनों की राहें, अब यादों की गलियाँ बनीं,
जहां कल था उजाला, आज धुंध सी छाई कहीं।

वहीं रोज़ निकल गया, रोज पूरा करने में,
कभी वक्त का पीछा किया, कभी खुद से दूर रहने में।
हर पल किसी मंज़िल की आस में थकते रहे,
और मंज़िल मिली तो दिल ने कहा — "अब क्या बचे?"

आज अपना वो पराया, और जो पराया वो अपना,
समय ने सब बदल दिया, चेहरों के साथ सपना।
कभी जिनके बिना जीवन अधूरा लगता था,
आज वही भीड़ में खोए, अनजान से लगते हैं।

पर फिर भी जीवन का ये सफर खूबसूरत है,
क्योंकि हर मोड़ पर एक सबक, एक कहानी जुड़ी है।
उम्र बीत गई सही, पर एहसास अब भी जिंदा हैं —
दिल कहता है, "चलो, आज भी कुछ नया जी लिया जाए।"

कवि-गोपाल गावंडे

दिखावे से दूर यथार्थ में जीना सिखाता है सहज योग

यह समय एक ऐसा समय है जब ज्यादातर लोग स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने की दौड़ में शामिल हैं। बच्चे पैदा होने से, जन्मदिन, विवाह और मृत्यू तक सभी यह प्रयास करते हैं कि आयोजन बढिया हो, कहीं कोई कमी किसी को नज़र ना आये। प्रदर्शनकारी व्यक्ति अपने सभी आयोजनों को अपनी नजरों से ना देखकर दूसरों की नजरों से देखता है। यहाँ हम स्वयं से इस तरह दूर होने लगते हैं कि हमें इसका आभास भी नहीं होता। खुशी और गम हमारे अपने हैं, उसके उद्गार में किसी दिखावे की आवश्यकता नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी एक कार्यक्षमता या सीमा होती है, अपनी क्षमता के अनुसार जितना प्राप्त होता है उतने में खुश होना श्रेयकर है।

इसके विपरीत जब इंसान अपनी काबिलियत बढ़ाने में सक्षम नहीं होता है, तो दिखावा करना शुरू कर देता है। यह साबित करने के लिए कि वह किसी से कम नहीं है परंतु यह दिखावा हमें खुशी और संतुष्टि नहीं दे सकता। हम जैसे हैं वैसे ही रहना है क्योंकि अपनी हैसियत के हिसाब से आयोजन करना हमें आत्मसंतुष्टि देगा। जबकि दिखावे के लिए किया गया हर प्रयोजन अंहकार को जन्म देगा। परंतु परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहज योग में हमारा मन परिवर्तन होता है

व हम इतने अधिक सहज व संतुष्ट हो जाते हैं कि हम जैसे हैं वैसे ही रहने में सुख महसूस करते हैं। सहज ध्यान हमें स्वंय को देखना सिखाता है, हमारे चक्रों को चैतन्य से पोषित कर हमारे गुणों से हमारा आत्मसाक्षात्कार करवाता है। सहज योग में ऐसे सच्चे और ईमानदार व्यक्ति हैं जो जैसा बोलते हैं वैसा ही करते हैं। उनमें दिखावा नहीं के बराबर होता है। ऐसे व्यक्ति देश के लिए भी आशीर्वाद हैं। वास्तव में आनंद का कोई मोल नहीं होता। आनंद बांटने के लिए सिर्फ आनंदित होना ही काफी है। हम आनंद में रहेंगे तो हमारे साथ वाले भी आनंदित ही होंगे। सहज योग से आत्मा का जो सुख मिलता है वह हर सुख से परे है। श्री माताजी कहती हैं 'आत्मेनव आत्मनः संतुष्ट' यानि आत्मा से ही आत्मा तुष्ट हो जाती है वैसे ही जैसे अमृतपान के बाद फिर किसी और चीज की जरुरत नहीं होती। जब हम परमात्मा के साम्राज्य के अंग हो जाते हैं तब हम अपने सुख व शांति के लिए परमात्मा के आशीर्वाद के पात्र हो जाते हैं।

दिनाकं 24 नवंबर 1980 के अपने एक प्रवचन में परम पूज्य श्री माताजी ने कहा, 'सहज योग एक ऐसी चीज है जो आपकी वास्तविकता को आपके भीतर स्थापित करती है, जिससे आप सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि आपकी वास्तविकता सुंदर है। यह आनंद है और फिर आप इससे भागना नहीं चाहते। यही हमें समझना है, कि हम अपनी वास्तविकता को प्राप्त करने, खुद को जानने के लिए यहाँ हैं।' श्री माताजी की बातों को आत्मसात करने हेतु चलिये सहज योग ध्यान से जुड़ते हैं। आप आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

भक्ति और सेवा का पर्व बना जन्मदिन- कुणाल पंचोली का प्रेरक उदाहरण

राजेश धाकड़

फ़िल्म जगत में अपनी पहचान बना चुके और समाजसेवा में हमेशा आगे रहने वाले कुणाल पंचोली ने इस बार अपना जन्मदिन कुछ अलग अंदाज़ में मनाया। संयोग से इस वर्ष उनका जन्मदिन धनतेरस के शुभ पर्व पर पड़ा, जिसे उन्होंने भक्ति, सेवा और दान के संगम के रूप में मनाया। महादेव के अनन्य भक्त पं कुणाल पंचोली ने दिन की शुरुआत महाकाल आराधना से की। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने गौमाता की सेवा करते हुए गौशाला में चारा वितरित किया। इसके बाद ज़रूरतमंदों और असहाय लोगों को भोजन, वस्त्र और दान सामग्री वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की। कुणाल पंचोली ने कहा, मेरे लिए जन्मदिन सिर्फ़ उत्सव नहीं, बल्कि धन्यवाद का दिन है, महादेव और समाज दोनों के प्रति। अगर हर इंसान अपने विशेष दिन पर किसी ज़रूरतमंद की मदद करे, तो वही सच्ची पूजा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी कुणाल ने गौवंश की सेवा और दान की परंपरा को निभाया। उनके इस आध्यात्मिक और मानवीय पहल की सराहना सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। लोग कह रहे हैं कि आज के दौर में कुणाल जैसे कलाकार ही समाज में सकारात्मक सोच और संस्कारों का संचार कर रहे हैं। कला, अध्यात्म और सेवा, इन तीनों का सुंदर संगम पं कुणाल पंचोली के जीवन में साफ़ झलकता है। महादेव की भक्ति और मानवीय संवेदना का यह मिलन उन्हें एक अलग पहचान देता है।

सांवरिया सेठ फाउंडेशन ने बच्चों के साथ मनाई दिवाली, बाँटी खुशियाँ और मुस्कानें

राजेश धाकड़

इंदौर। इस वर्ष दिवाली के पावन अवसर पर सांवरिया सेठ फाउंडेशन की पूरी टीम ने समाजसेवा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर निर्धन और जरूरतमंद बच्चों के बीच जाकर उनके साथ दिवाली का त्योहार मनाया। टीम ने बच्चों को पटाखे, मिठाइयाँ, दीये और उपहार वितरित किए। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बनता था। पूरे वातावरण में उल्लास और अपनापन झलक रहा था। संस्था के संस्थापक जयु दवाने ने कहा कि "दिवाली का सच्चा अर्थ केवल अपने घर को रोशन करना नहीं, बल्कि किसी और के जीवन में भी उजाला फैलाना है। भगवान से यही प्रार्थना है कि इस वर्ष हर घर में दीपक जले, हर मन में आनंद और हर चेहरे पर मुस्कान हो।"उन्होंने आगे कहा कि सांवरिया सेठ फाउंडेशन सदैव समाज सेवा और मानवता के कार्यों में अग्रसर रहेगा। संस्था की टीम द्वारा गरीब और बेसहारा बच्चों के लिए समय-समय पर सहयोगात्मक कार्य किए जाते हैं।कार्यक्रम के अंत में बच्चों के साथ सामूहिक रूप से दीप जलाकर "सबका

उजाला सबके साथ" का संदेश दिया गया। सांवरिया सेठ फाउंडेशन – सेवा, संस्कार और सद्भाव का प्रतीक।

स्मृतियों के घाट पर छठ...

छठ की यादें हमेशा बचपन की उन गलियों में ले जाती हैं, जहां घर-आंगन की हलचल, दउरे का वज़न, ठेकुए की ख़ुशबू और मां के स्वर में गूंजते गीत जीवनभर की धरोहर बन जाते हैं। यह पर्व परिवार के संग बिताए पलों की ऐसी विरासत है, जो हर बार मन को अपने गांव, अपने घर खींच लाती है।

संध्या की सुनहरी परछाइयां जब धरती को अपने आंचल में समेटने लगती हैं, जब हल्की ठंड के बीच दिनभर की गुनगुनी धूप की गरमी शरीर में ठहर-सी जाती है, और जैसे ही वह ओझल होती है, मन अनायास रज़ाई की खोज करने लगता है- यही तो वह ऋतु है, जब दीपावली का उजास अभी फीका नहीं पड़ा होता, और छठ का पर्व अपने चरम पर होता है।

छठ केवल सूर्य को दिया गया अर्घ्य नहीं, यह जीवन की गहराई से जुड़ी एक कथा है, मिट्टी की महक से लिपटी स्मृतियों का गीत और परिवार की धड़कनों का साझा स्वर है। उगहु सूरज देव भईल भिनसरवा...

केला हाजीपुर वाला, चावल औरंगाबाद का

छठ की तैयारियां शुरू होते ही ऐसा लगता था मानो किसी मेले का बिगुल बज गया हो। 'अरे ये सामान आ गया? वो रह तो नहीं गया?' सच कहूं तो छठ का सामान जुटाना किसी वॉर रूम के प्रबंधन से कम नहीं होता।

केला हाजीपुर वाला ही चाहिए, चावल औरंगाबाद का हो तभी सही स्वाद आएगा, गुड़ जहानाबाद से न हो तो उसमें वह मिठास कहां, और सूप दौरा किसी और जगह का ले आए तो मां का चेहरा उतना खिला न दिखेगा। पिता जी और मां, दोनों बैठकर जैसे किसी बजट मीटिंग में होते- 'ये घटा, वो बढ़ा, ये रह गया, वो ले आना।' बच्चे उस समय चुपचाप बैठे रहते, लेकिन भीतर-भीतर इस उत्साह से भरे रहते कि दुनिया का सबसे बड़ा त्योहार आ गया हो।

मुझे अब भी याद है पिता जी, जो ख़ुद छठ का उपवास करते हैं, फिर भी झोला उठाए, बाइक स्टार्ट किए, बाज़ार में इधर-उधर चक्कर लगाते रहते, मानो उपवास के बावजूद उनके भीतर ऊर्जा का कोई अथाह स्रोत हो।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड, एजेंसी : भारत के सुपरस्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैचों में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। रोहित ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ विराट कोहली भी हैं, जो वर्तमान में 802 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने की दौड़ में हैं।

हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी धरती पर 21 मैचों में 56.36 की औसत और 89.32 के स्ट्राइक रेट से 1071 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171* रहा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का था। उनकी पारी का सबसे खास पल मिशेल ओवेन के खिलाफ लगाए गए दो बड़े पुल शॉट थे, जिन्हें स्टैंड में छक्के के लिए भेजा गया। रोहित ने अब तक 275 वनडे और 267 पारियों में 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रहा है। शर्मा पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़कर वनडे में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे। रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार पचास से अधिक का स्कोर बनाया है और यह केवल दूसरा ऐसा मौका था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का मील का पत्थर हासिल किया।

आखिरी बार उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में 50 रन बनाए थे। इस साल वनडे में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 रहा है।

विराट कोहली ने एडिलेड में दिए संन्यास के संकेत, शून्य पर आउट होने के बाद किया ऐसा, फैंस मायूस

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान का शेर, जिसने सालों तक इस खेल पर राज किया. वो विराट कोहली अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं, ऐसा हम नहीं बल्कि क्रिकेट का हर दिग्गज बोल रहा है. हालांकि विराट की फिटनेस शानदार है, लेकिन माना जा रहा है कि वह वनडे से भी जल्द रिटायरमेंट ले लेंगे. कोहली पर्थ में शून्य पर आउट हुए थे, एडिलेड में भी वही हुआ. कोहली खाता नहीं खोल पाए, लेकिन यहां ग्राउंड से पवेलियन लौटते हुए उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है. विराट कोहली 7वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब कप्तान शुभमन गिल के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा था. कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी क्योंकि इस मैदान पर वह इससे पहले खेली 4 पारियों में 2 बार शतक जड़ चुके थे. लेकिन आज वह खाता भी नहीं खोल पाए, जेवियर बार्टलेट ने एक ही ओवर में गिल और कोहली को आउट किया.

विराट कोहली ने किया गुड बाय!

जब विराट कोहली एडिलेड में शून्य पर आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे, तब फैंस खड़े हो गए तो विराट कोहली ने हाथ उठाकर गुड बाय जैसा इशारा किया.

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

- **नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित**

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान बाबर आजम की करीब 10 महीने बाद पाकिस्तान की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 13 दिसंबर 2024 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बाबर के साथ तेज गेंदबाज नसीम शाह की भी लगभग 11 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। नसीम ने अपना पिछला टी-20 मुकाबला 16 नवंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज (ट्राई सीरीज) के लिए भी टीम का ऐलान किया है। इस त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी हिस्सा लेंगे।

यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से, त्रिकोणीय सीरीज 17 नवंबर से पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाएगी। मैच रावलपिंडी और लाहौर में होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी 4 से 8 नवंबर तक फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में खेली जाएगी। फिर 11 से 15 नवंबर तक श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज होगी, जबकि त्रिकोणीय टी-20 सीरीज 17 से 29 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। फखर जमान और सुफियान मुकीम हुए बाहर अनुभवी ओपनर फखर जमान और रिस्ट स्पिनर सुफियान मुकीम को इस बार टीम से बाहर कर दिया गया है।

महिला वनडे विश्व कप:

एश्ले गार्डनर ने महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया

इंदौर, एजेंसी। बुधवार को होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप 2025 का 23वां मैच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने 104 रन की नाबाद यादगार पारी खेली। गार्डनर का ये शतक महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एश्ले गार्डनर ने 69 गेंद पर शतक लगाया। महिला वनडे विश्व कप इतिहास का ये सबसे तेज शतक है।

इससे पहले का रिकॉर्ड डेंड्रा डॉटिन के नाम था। डॉटिन ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 71 गेंद पर शतक लगाया था। इसी विश्व कप में एलिसा हिली ने बांग्लादेश के खिलाफ 73 और एश्ले गार्डनर ने 77 गेंद पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया है। इंग्लैंड की मौजूदा कप्तान नेट सेवियर ब्रंट ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 76 गेंद पर शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस मैच में 73 गेंद पर 16 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। गार्डनर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई थीं। छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है। गार्डनर ने छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 3 शतक लगाए हैं। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंद पर 1 छक्का और 10 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली थी। एलिस कैप्से ने 38 और चार्लोट डीन ने 26 रन बनाए थे।

245 के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 68 के स्कोर पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन एश्ले गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड ने इसके बाद टीम को कोई क्षति नहीं होने दी और 180 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने 40.3 ओवर में 4 विकेट पर 248 रन बनाए। विजयी चौका गार्डनर के बल्ले से निकला। सदरलैंड शतक नहीं बना सकीं और 98 रन पर नाबाद लौटीं।

राज नगर में गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन सम्पन्न

राज नगरः आज राज नगर में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु एकत्रित हुए और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः हवन और पूजा-विधि के साथ हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने गोबर से गोवर्धन पर्वत का प्रतीक स्वरूप बनाकर पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के माध्यम से उत्सव को और भी भक्तिमय बना दिया, वहीं बच्चों ने श्रीकृष्ण और गोवर्धन लीला पर आधारित आकर्षक झांकियाँ प्रस्तुत कीं, जिनसे समूचा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएँ दीं।

आयोजन समिति के अनुसार, प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ। पूरे नगर में उत्सव जैसा माहौल रहा और चारों ओर "गोवर्धन जी की जय" के जयकारे गूंजते रहे।

कार्यक्रम के आयोजक

अशोक यादव एवं लक्ष्मीनारायण जी यादव मुख्य अतिथिः वरिष्ठ नेता श्री दीपू जी यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं यादव अहीर समाज के प्रदेश महासचिव विजय जी यादव, चंद्रवंशी यादव समाज के अध्यक्ष श्री संतोष जी यादव, पार्षद संध्या यादव, पार्षद निरंजन सिंह जी चौहान, पूर्व पार्षद राजेश जी चौधरी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं ओबीसी पिछड़ा वर्ग के पूर्व नगर अध्यक्ष श्री राजेश जी यादव, तथा श्री रोहित जी यादव उपस्थित रहे।

साथीगणः श्री ओम यादव, जितेन्द्र यादव, शैलेष यादव, गोपाल यादव, अभिषेक यादव, गोलू यादव, लक्ष्य यादव, सोनू यादव, लोकेश यादव, विनय यादव, पिन्टू यादव, एवं आकाश यादव। रोहित यादव जी ने अपने संबोधन में कहाः "गोवर्धन पर्व हमें सिखाता है कि सामूहिकता और सेवा में ही ईश्वर का वास है।" "जो प्रकृति की रक्षा करता है, वही सच्चा गोवर्धन पूजक है।" पूरे राज नगर में गोवर्धन पूजा का यह आयोजन भक्ति, एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बना रहा।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान

नीतिगत समर्थन जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्तूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है।

स्टील अंडर सीज

अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।

रक्षोपाय शुल्क से लगा अंकुश- भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय शुल्क था। 45 प्रतिशत इस्पात दक्षिण कोरिया और चीन समेत कईदेशों से भारत आयात करता है।

2024-25 में तेजी से बढ़ा आयात

भारत करीब 45 फीसदी इस्पात का आयात करता है। इसमें दक्षिण कोरिया की हिस्सेदारी 14.6 फीसदी और चीन की 9.8 फीसदी है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से 7.8 फीसदी, जापान से 7.1 फीसदी और ब्रिटेन से 6.2 फीसदी इस्पात आयात करता है। लेख में कहा गया है कि 2022 से घरेलू खपत और उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि दर्ज की गईहै। इसके अलावा, अप्रैल, 2022 से नवंबर, 2024 तक भारत की इस्पात खपत औसतन 12.9 फीसदी (मासिक वृद्धि दर का औसत) की रफ्तार से बढ़ी है। यह लेख अप्रैल, 2013 से मार्च, 2025 तक के मासिक आंकड़ों पर आधारित है। लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और ये आरबीआई को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

निर्यातक देशों की मूल्य तय करने की नीतियां चिंताजनक- आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग के अधिकारी अनिर्बन सान्याल और संजय सिंह ने लेख में कहा, बढ़ते आयात और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

ऑनलाइन बिक्री अब त्योहारों पर ही निर्भर नहीं

मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक का वर्चस्व, अब पूरे साल खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है।लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं।हालांकि, त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री की रफ्तार बढ़ाने में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की भूमिका अब भी काफी महत्वपूर्ण है। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। इसके बावजूद मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियां अब भी वार्षिक त्योहारी उछाल पर निर्भर हैं। यानी त्योहारों के दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स ही अब भी बिक्री की रफ्तार तय करते हैं।

सुझाव...विभिन्न ब्रांड भी घटा सकते हैं निर्भरता

रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न ब्रांड को त्योहारी सीजन पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही जैसे सुस्त बिक्री समय में विशेष उत्पादों की पेशकश या प्रचार अभियान शुरू करने पर ध्यान देना चाहिए। भविष्य में ये कंपनियां होंगी सबसे आगे...रेडसीर ने रिपोर्ट में कहा, दौर बदलने के साथ भारत में ऑनलाइन खुदरा कारोबार धीरे-धीरे त्योहारों के समय की चरम स्थिति से बाहर निकल रहा है। भविष्य में वही कंपनियां बाजार की अग्रणी होंगी, जो न सिर्फ त्योहारी उच्च मांग को कुशलता से संभालने में सक्षम होंगी, बल्कि सुस्त महीनों में भी मांग पैदा कर सकेंगी।

इन वस्तुओं की बिक्री पर त्योहारी असर नहीं

राशन के सामान, सौंदर्य उत्पाद और व्यक्तिगत देखभाल वाली श्रेणियों को ऑनलाइन बिक्री के लिहाज से सबसे स्थिर बताया गया है, क्योंकि इनमें सालभर मांग लगभग समान रहती है। यह कम मूल्य वाले और बार-बार खरीदे जाने वाले उत्पादों की विशेषता है। घरेलू साज-सज्जा एवं फर्नीचर के साथ फैशन श्रेणियां मध्यम मौसमी प्रवृत्ति दिखाती हैं। इनमें त्योहारी महीनों में उछाल तो आता है, पर उतार-चढ़ाव उतना अधिक नहीं होता है।

छोटे शहरों ने ऑनलाइन खरीदारी का तोड़ा रिकॉर्ड- त्योहारी सीजन की ऑनलाइन खरीदारी अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब छोटे शहरों के लोग भी जमकर ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं। दिवाली पर टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले लोगों ने दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्डतोड़ ऑनलाइन खरीदारी की है। लॉजिस्टिक्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म क्लिकपोस्ट की ओर से किए गए 4.25 करोड़ से ज्यादा शिपमेंट के विश्लेषण से यह साफ हुआ कि अब गैर-मेट्रो शहर ई-कॉमर्स की नई रीढ़ बन चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली पर कुल ऑर्डर का 50.7 फीसदी सिर्फ टियर-3 शहरों से आया, जबकि टियर-2 शहरों का योगदान 24.8 फीसदी रहा। यानी देश के कुल ऑनलाइन ऑर्डर वॉल्यूम में छोटे शहरों का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा।

ऑर्डर मूल्य में भी इजाफा

इस साल त्योहारों के दौरान औसत ऑर्डर मूल्य बढ़कर 4,346 रुपये पहुंच गया, जो 2024 में 3,281 रुपये था। यानी छोटे शहरों से किए गए ऑर्डर में 32.5 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह दिखाता है कि ग्राहक अब न सिर्फ ज्यादा, बल्कि महंगी-प्रीमियम चीजें भी खरीद रहे हैं।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा का बड़ा फैसला, आई में 600 नौकरियां हुई खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग में 600 नौकरियां खत्म का फैसला किया है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम कंपनी के कामकाज को दुरुस्त करने के लिए उठाया गया है। कंपनी ने पहले बहुत अधिक तेजी से नौकरियां बढ़ाई थीं।

किस पर असर नहीं होगा- यह नौकरी कटौती मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा स्थापितटीबीडी लैब नामक विशेष प्रोजेक्ट को प्रभावित नहीं करेगी। इस लैब में ओपनएआई और एप्पल जैसी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के टॉप शोधकर्ताओं को बहुत ऊँचे वेतन पर लाकर टीम बनाई गई है।

कहां होगी कटौती- यह नौकरी कटौती आई से जुड़े प्रोडकट्स पर उनकी बेसिक स्ट्रक्चर पर काम करने वाली टीमों पर केंद्रित होगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, इसका उद्देश्य कंपनी की कार्यक्षमता बढ़ाना है, साथ ही कंपनी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के काम को प्रभावित नहीं होने देना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कटौती से प्रभावित कई कर्मचारियों को कंपनी में दूसरे विभागों में लगाया जा सकता है।

चार प्रतिशत चढ़ा इंफोसिस का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड के शेयरों में आज गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे की वजह एक खबर को माना जा रहा है। इंफोसिस लिमिटेड ने दी जानकारी में बताया है कि प्रमोटर्स बायबैक में हिस्सा नहीं लेंगे। बीएसई में इंफोसिस लिमिटेड के शेयर 1515 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में इंफोसिस लिमिटेड के शेयर 4.20 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1535.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था।

सुधा मूर्ति और नंदन निलेकणी ने बनाई दूरी- 22 अक्टूबर को इंफोसिस लिमिटेड ने दी जानकारी में कहा था कि कंपनी के प्रमोटर्स नंदन निलेकणी, सुधा मूर्ति और अन्य 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का हिस्सा नहीं होंगे। बता दें, प्रमोटर्स का बायबैक में हिस्सा ना लेना कंपनी के आत्मविश्वास को दर्शाता है। वहीं, रिटेल निवेशक भी बायबैक में अपनी स्थिति बेहतर कर सकते हैं।

18000 करोड़ रुपये का बायबैक- इंफोसिस ने 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का ऐलान किया है। कंपनी 10 करोड़ शेयरों को वापस खरीद रही है। इसके लिए कंपनी ने 1800 रुपये प्रति शेयर कीमत तय की है। जोकि बुधवार की क्लोजिंग की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। बता दें, अभी तक इंफोसिस ने बायबैक का रेशियो, रिकॉर्ड डेट और अन्य तारीखों का ऐलान नहीं किया है।

खाद्य तेल उद्योग पर सरकार की नजर

अब कंपनियों को करना होगा ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम क्षेत्र खाद्य तेल उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार एक्शन मोड में है। सरकार ने बुधवार को कहा कि वह नए नियामकीय आदेशों के अनुपालन की जांच के लिए देशभर में निरीक्षण अभियान शुरू करेगी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि ये निरीक्षण जांच हाल ही में संशोधित एक आदेश के तहत की जाएंगी, जिसमें खाद्य तेल बनाने, प्रसंस्करण करने और बेचने वाली सभी इकाइयों को रजिस्ट्रेशन कराना और हर महीने उत्पादन का ब्योरा देना अनिवार्य किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों पर कार्रवाई के लिए है। इसका उद्देश्य अनुपालन की गंभीरता को सुदृढ़ करना और खाद्य तेल क्षेत्र के राष्ट्रीय डेटा तंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखना है।

1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात

सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत खाद्य तेल की अपनी घरेलू मांग पूरी करने के लिए आयात पर बहुत निर्भर है। देश हर साल 1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात करता है, जिनमें प्रमुख रूप से इंडोनेशिया एवं मलेशिया से पाम तेल और अर्जेंटीना एवं ब्राजील से सोया तेल मंगाया जाता है।

कहां कराना होगा रजिस्ट्रेशन

संशोधित 'वनस्पति तेल उत्पाद, उत्पादन एवं उपलब्धता (नियमन) आदेश, 2025' के तहत खाद्य तेल कंपनियों को नेशनल सिंगल विंडो व्यवस्था पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और उन्हें एडिबलऑयलइंडिया.इन के पोर्टल पर मासिक रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इन प्रावधानों का पालन नहीं करने वाली खाद्य तेल कंपनियों के खिलाफ संशोधित आदेश और सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 2008 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में खाद्य तेल इकाइयों ने पहले ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा लिया है जिससे यह संकेत मिलता है कि उद्योग इस नियामकीय बदलाव में सहयोग कर रहा है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था खाद्य तेल क्षेत्र में वास्तविक समय में निगरानी सुनिश्चित करेगी और नीतिगत हस्तक्षेप की क्षमता को बेहतर बनाएगी। मंत्रालय ने इसे भारत की खाद्य सुरक्षा अवसंरचना में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।